मासिक ई- समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय,

पूसा समस्तीपुर, बिहार -848125

कुलपति महोदय का संदेश

डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

अप्रैल का महीना कोविड 19 महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए बहुत ही उथल-पुथल और कठिन समय भरा रहा है। लेकिन यह मेरा दृढ़ विश्वास है कि कठिन समय ही हमारी सहन करने, प्रबल और मजबूत होने, दयालु और समझदार बनने की सर्वोत्तम क्षमताओं को सामने लाता है। मुझे खुशी है कि हमारी टीम ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ कैंपस में कोविड-19 वायरस के प्रसार को पर्याप्त रूप से नियंत्रित कर इसे साबित किया है। अब परिसर में लोगों को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है और कोविड-19 प्रोटोकॉल जैसे मास्क लगाना, सोशल डिस्टेंसिंग और नियमित रूप से हाथ धोने इत्यादि का सख्ती से पालन करना चाहिए । मैं कर्मचारियों से आग्रह करता हूं कि वे अपने समाज के सदस्यों और सभी जरूरतमंद व्यक्तियों की हर संभव मदद करें। आइए हम वर्चुअल मोड के माध्यम से शिक्षण की प्रक्रिया के प्रयास को जारी रखें । यह बहुत संतोष की बात है कि हमारे संकाय सदस्य सुरक्षा और सावधानी के साथ शिक्षा एवं अनुसंधान की प्रगति को बनाए रख रहे हैं। मैं वर्तमान महामारी के समय में अपने सभी छात्रों, संकायों और उनके परिवार के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।.

कुलपति महोदय की संलग्नता

- कोरोना के टीके की पहली खुराक लेकर परिसर में सामूहिक टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।
- दिनांक 07/04/2021 को जलवायु अनुकूल कृषि की संचालन समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 08.04.2021 को शिक्षा में उत्कृष्टता और नेतृत्व के लिए गोल्डन ए.आई.एम.(एम) पुरस्कार एवं सम्मेलन में भाग लिया।
- दिनांक 12.04.2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भा.कृ.अनु.प. के 25वी क्षेत्रीय समिति संख्या-II की छह-मासिक समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 14.04.2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से भारत में उच्च शिक्षा को बदलने के लिए एन.ई.पी.-2020 को लागू करने पर कुलपतियों (ए.आई.यू.) के 95 वें वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

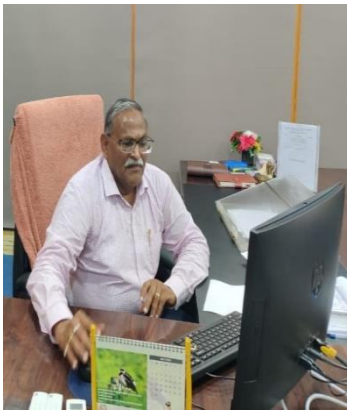

- दिनांक 16.04.2021 को अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आई.आर.आर.आई.)और अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र (सी.आई.पी.) के साथ तकनीकी सहयोग बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 18.04.2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित "प्रो. वी. एल. चोपड़ा संस्मरण" हाइब्रिड बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 19.04.2021 को रा.प्र.के.कृ.वि. की तीसरी शिक्षा परिषद के बैठक की अध्यक्षता वर्चुअल मोड के माध्यम से किया।
- दिनांक 19.04.2021 को रा.कृ.वि., पूसा के पूर्व कुलपति डॉ एम एल चौधरी एवं अन्य सहयोगियों की स्मृति शोक सभा में भाग लिया।
- दिनांक 22.04.2021 को एपिकल रूटेड कटिंग (ए.आर.सी.) प्रौद्योगिकी के माध्यम से आलू के बीज की उपलब्धता बढ़ाने के संबंध में बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 23.04.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रिय चावल अनुसन्धान संस्थान के प्लेटिनम जयंती स्थापना दिवस समारोह (भारत में चावल अनुसंधान और विकास के लिए आगे की राह पर राष्ट्रीय संगोष्ठी) में भाग लिया।
- कृषि विभाग के अंतर्गत बिहार राज्य जैविक मिशन की प्रथम बैठक में दिनांक 26.04.2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।
- दिनांक 27.04.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रा.प्र.के.कृ.वि. के कृषि विज्ञान केन्द्रो की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 28.04.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र और सी.आर.ए. परियोजना में सौर ऊर्जा के रखरखाव के लिए एक प्रणाली स्थापित करने पर चर्चा के लिए आमंत्रित एक बैठक की अध्यक्षता किया।

खंड -2, अंक -5
मई, 2021

संरक्षक

डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

संकलन एवं संपादनः
डॉ. (राकेश मणि शर्मा
रत्नेश. कु. झा
पि.के. प्रणव
अंकुर जामवाल
आशीष कु. पांडा
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कु. राज्यवर्द्धन)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा.

संपर्क:
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

➢ कोरोना महामारी में ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन

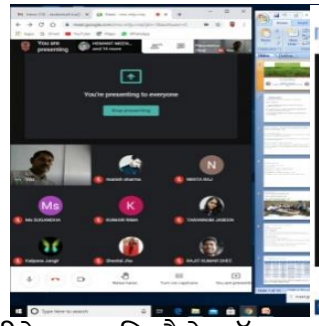

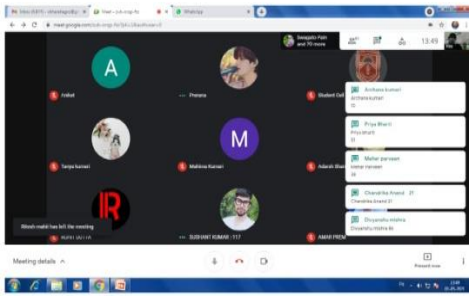

रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के तहत सभी परिसरों ने कोरोना - 19 महामारी की दूसरी लहर के संक्रमण के कारण ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया। रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा, आधार विज्ञानं एवं मानविकी महाविद्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, मतस्यिकी महाविद्यालय , ढोली, तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली आदि के कोर्स इंस्ट्रक्टर और संकाय सदस्यों ने समाशोधन और शिक्षण सत्र के लिए गूगल मीट, जूम, वीबेक्स आदि जैसे ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। । कक्षाएं स्मार्ट पोडियम से लैस और वेबकैम और वाईफाई से जुड़ी स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से संचालित की जा रही हैं।.

➢ कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के छात्रों ने "ए-हैक 2021 बी.ए.यू. एग्री-हैकथॉन" में प्रथम पुरस्कार जीता

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के एम.टेक (एफ.एम.पी.आई.) के छात्र सुश्री अपूर्वा शर्मा, श्री रवि कुमार साहू और मेंटर डॉ पी.के. प्रणव ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार द्वारा आयोजित "ए-हैक, 2021, बी.ए.यू. एग्री-हैकथॉन" में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने "फ्रूट हार्वेस्टिंग क्रू" की एक टीम के रूप में रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा का प्रतिनिधित्व किया और विषयगत क्षेत्र "कृषि उत्पादन और उत्पादकता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी विचार" के तहत "इमेज प्रोसेसिंग और सेंसर का उपयोग करके ऑटो-मैच्योरिटी डिटेक्शन के साथ अमरूद हार्वेस्टर का विकास" विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।

➢ कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, पूसा एलुमनी एसोसिएशन व्याख्यान श्रृंखला में व्याख्यान

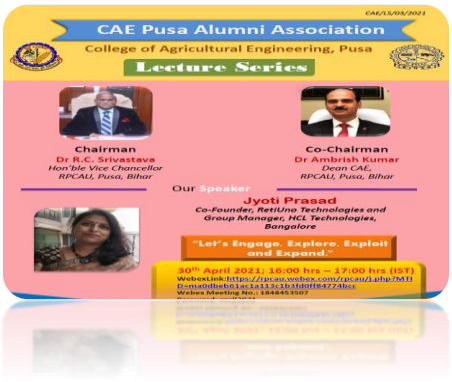

ई. ज्योति प्रसाद, सीएई पूर्व छात्र (बैच -1997) द्वारा दिनांक 30 अप्रैल, 2021 को कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम के तहत "लेट्स एंगेज, एक्सप्लोर, एक्सप्लॉइट एंड एक्सपैंड" पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया गया। ई. ज्योति कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, पूसा की एक पूर्व छात्र एवं रेटी यूनो टेक्नोलॉजीज की सह-संस्थापक और वर्तमान में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बैंगलोर में ग्रुप मैनेजर के पद पर कार्यरत है । डॉ. पी.के. प्रणव, एसोसिएट प्रोफेसर ने कार्यक्रम का समन्वयन किया और छात्रों के साथ सभी संकायों ने वार्ता में भाग लिया।

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय - रा.प्र.के.कृ.वि., ढोली के छात्रों ने अपने अनुभवनात्मक शिक्षण कार्यक्रम के तहत 27.75 किलोग्राम कच्चा सहजन शहद और 216 किलोग्राम कच्ची लीची शहद का उत्पादन किया। प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बाद शहद तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में 350 रुपये प्रति किलो की दर से डेढ़ किलो के पैक में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया।

अनुसंधान

➢ किसानो के खेतो में फ्रंटलाइन प्रदर्शन आयोजित

कृषि उपकरण एवं मशीनरी पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय सामन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत कल्याणपुर ब्लॉक के मदनपुर, परना और हरपुर में तीन अलग-अलग गांवों में किसान के खेत में रीपर-कम-बाइंडर मशीन का प्रदर्शन किया गया। रीपर-कम-बाइंडर मशीन द्वारा लगभग 6.1 हेक्टेयर फसल क्षेत्र काटा गया और इस प्रदर्शन में 3 गांवों की 10 कृषि महिलाओं सहित कुल 50 किसानों ने भाग लिया।.

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में मधुमक्खी पर ई.एल.पी. के तहत नई शोध परियोजना को मंजूरी

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड नई दिल्ली द्वारा "तिलहन और बागवानी फसलों पर मधुमक्खी परागण के प्रभाव" नामक एक नई शोध परियोजना को 2021-24 के लिए 21.17 लाख रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ मंजूरी दी गई है। डॉ. नीरज कुमार, सहायक प्राध्यापक, कीट विज्ञान इस परियोजना के मुख्य समन्वयक. हैं और श्री जी.एस. गिरी, सहायक प्राध्यापक कीट विज्ञान परियोजना के सह- मुख्य समन्वयक. हैं।

➢ "ड्रोन: टिकाऊ कृषि के लिए एक आधुनिक उपकरण" पर कार्यशाला

डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि. ने 16 अप्रैल, 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा आयोजित "ड्रोन - सतत कृषि के लिए एक आधुनिक उपकरण" पर कार्यशाला में व्याख्यान दिया। उन्होंने ड्रोन जैसे आधुनिक उपकरणों के महत्व और टिकाऊ कृषि के लिए रोबोटिक्स आवश्यकता आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग, इसके दायरे और अवसरों, सटीक कृषि, फील्ड लेआउट और मैपिंग, स्प्रे एप्लीकेशन, टिड्डी नियंत्रण, भारतीय कृषि में आगे की राह और चुनौतियों के विभिन्न बिंदुओं पर भी चर्चा की। ऑनलाइन कार्यशाला में 150 से अधिक शिक्षाविद, शोधकर्ता, कृषि अधिकारी, प्रमुख किसान और छात्र शामिल हुए।.

प्रसार गतिविधियाँ

➢ सी.आर.ए. कार्यक्रम में हरे चने के माध्यम से प्रणाली गहनता

सी.आर.ए. कार्यक्रम के तहत गेहूं की समय पर कटाई के बाद कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा किसानों के खेत में लगभग 3000 एकड़ भूमि में हरे चने (किस्म आई.पी.एम. -02-14) की बुवाई के माध्यम से गहन प्रणाली विकसित किया गया। गेहूं की समय पर कटाई से हरे चने को फसल प्रणाली में तीसरी फसल के रूप में जगह मिल जाती है जिसे 2-3 तुड़ाई के बाद धान की रोपाई से पहले मिट्टी में दबा कर हरी खाद में उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार, किसानों को हरी खाद के अतिरिक्त लाभों के अलावा 300 % फसल गहनता के साथ एक अतिरिक्त फसल मिल सकती है।.

➢ सामुदायिक सिंचाई किसानों के लिए वरदान साबित

खरीफ 2020 में क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर प्रोग्राम के सामुदायिक सिंचाई के तहत गोद लिए गए 17 गांवों में 3-एचपी सिंगल फेज सबमर्सिबल पंपों से सुसज्जित सत्रह चार इंच ट्यूबवेल स्थापित किए गए जिनमें से प्रत्येक में 15-20 एकड़ का कमांड एरिया है। खरीफ सीजन में राजेंद्र महसूरी-1 को 20 से 25 मई को नर्सरी में बोया गया और 11 से 20 जून के बीच रोपाई की गई। फसल की कटाई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में की गई थी, जिससे कुल उत्पादकता 5.2 टन / प्रति हेक्टेयर थी। तब एचडी-2967 किस्म का गेहूं नवंबर के पहले पखवाड़े में बोया गया और अप्रैल के पहले सप्ताह में 4.9 टन / प्रति हेक्टेयर की औसत उत्पादकता के साथ काटा गया। सुनिश्चित सिंचाई के तहत धान और गेहूं दोनों फसलों की समय पर बुवाई करने से 10.1 टन/ प्रति हेक्टेयर चावल के समतुल्य उपज के साथ प्रणाली उत्पादकता में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन लाया जा सकता है।.

➢ रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा किसानों का वर्चुअल प्रशिक्षण

बिहार में कोरोना महामारी के प्रसार को देखते हुए और भविष्य की कृषि चुनौतियों पर पूर्ण लॉकडाउन के प्रभावों की कल्पना करते हुए, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्रो ने लेजर लेवलिंग, हरे चने के माध्यम से प्रणाली गहनता, कस्टम हायरिंग सेंटर के संचालन, सुनिश्चित सिंचाई के तहत चावल की समय पर बुवाई के लाभ जैसे विभिन्न विषयों पर किसानों को वर्चुअल प्रशिक्षण दिया गया। किसान ऐसे वर्चुअल प्रशिक्षणों में गहरी रुचि लिए और वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों से विभिन्न तकनीकों को सीखे।

➢ मत्स्य पालन महाविद्यालय, ढोली में भा.कृ.अनु.प. व्याख्यान श्रृंखला और वर्चुअल बैठक

भा.कृ.अनु.प. व्याख्यान श्रृंखला में मतस्यिकी महाविद्यालय ढोली के अधिष्ठाता, वैज्ञानिक और परास्नातक के छात्रों ने 16 अप्रैल, 2021 को वर्चुअल मोड में भा.कृ.अनु.प. के उप महानिदेशक, डॉ. जॉयकृष्ण जेना द्वारा "एक्वाकल्चर: एवेन्यू फॉर एश्योरिंग फिश" नामक भाग लिया। अधिष्ठाता और मतस्यिकी महाविद्यालय , ढोली के सभी वैज्ञानिकों ने 27 अप्रैल, 2021 को वर्चुअल मोड में "गूगल क्लासरूम, गूगल ब्रेकअप, गूगल मीट अटेंडेंस ट्रैकिंग आदि का प्रभावी उपयोग" पर चर्चा में भाग भी लिया।

पुरस्कार, खेल एवं अन्य गतिविधियाँ

रा.प्र.के.कृ.वि. में कोविड-19 से जंग - एक सामूहिक प्रयास

कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए सख्त नियंत्रण उपाय जैसे विश्वविद्यालय का गेट सील करना, शहर से कर्मचारियों की आवाजाही पर प्रतिबंध, गर्भवती महिलाओं और विकलांग कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजने के अलावा निम्नलिखित कदम उठाए गए: -

1. विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय अस्पताल, पी.एच.सी, सी.एच.सी. में छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों एवं कामगारों के लिए परिसर में सामूहिक स्तर पर आरटी-पीसीआर और एंटीजन टेस्ट की व्यवस्था की गई।

2. विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों, जो 45 वर्ष से अधिक आयु के थे, के लिए जिला चिकित्सा अधिकारियों की मदद से सामूहिक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

3. मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और आसपास के अन्य शहरों, कस्बों से यात्रा करने वाले कर्मचारियों को उनके क्षेत्रों में कोविड के प्रकोप को देखते हुए कार्यालय में आने के लिए सख्त मना किया गया।
4. दिव्यांग एवं गर्भवती महिला कर्मचारियों को अवकाश पर भेजा गया।
5. व्याख्यान कक्ष, प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय एवं अन्य संपर्क बिन्दुओं का सामूहिक स्तर पर सैनिटाइजेशन किया गया।
6. कर्मचारियों की स्टैगरिंग(अलग-अलग समय पर बुलाना) एवं विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों को आंशिक रूप से बंद करने को लागू किया गया।
7. कोविड के उचित व्यवहार का पालन करते हुए परिसर में पहचान पत्र आधारित, नेगेटिव आरटी-पीसीआर, एंटीजन रिपोर्ट के आधार पर प्रविष्टि को लागू करके सख्त सतर्कता सुनिश्चित किया गया।
8. कोविड संक्रमण के संदिग्ध कर्मचारियों /छात्रों को पूर्ण उपचार और आइसोलेशन में स्वस्थ होने के लिए तत्काल विश्वविद्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया।
9. विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को सलाह दी गई कि जब तक किसी भी प्रकार की आपात स्थिति न हो परिसर से बाहर न निकलें, आपात स्तिथि में भी अपने नियंत्रक अधिकारियों की उचित अनुमति के साथ ही बाहर निकले।.
10. विश्वविद्यालय के प्रवेश के सभी द्वार बंद कर दिए गए, केवल एक गेट पुलिस निगरानी के साथ खोला गया ताकि कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

तकनीकी हिंदी अनुवाद- डॉ. राकेश मणि शर्मा एवं गुप्तनाथ त्रिवेदी